UNIVERSITY OF CALCUTTA

NISHAT ALAM
SECRETARY
COUNCILS FOR UNDERGRADUATE STUDIES,
UNIVERSITY OF CALCUTTA.

SENATE HOUSE
Kolkata – 700 073.
Phone : **2257-3376,** 2241-0071-74,
2241-0077-78,2241-4989-90,
2241-2850-51,2241-2859
Fax : 91-033-2241-3222
E-mail :caluni @ vsnl.net
Website :www.caluniv.ac.in

Ref.No : CUS/18(Cir.)/16
Dated the 24th February, 2016

To
The Principals
of all the Undergraduate Colleges
offering B.A. (HonourS, General & MIL) in Hindi
affiliated to the University of Calcutta

Sir/Madam,

The undersigned is directed to forward you the **University Notification No. CSR/10/16, dt.16.02.2016,** containing **new revised Syllabus** for three-year **B.A. (Honours, General & MIL)** Courses of Studies in **Hindi.**

This new revised syllabus will come into effect from the **academic session 2016-2017.**

The said notification along with detail Syllabus is also available in the University Website.

Thanking you,

Enclo: The University Notification No. CSR/10/16, dt.16.02.2016 &
Detail new Syllabus for Hindi.

Yours faithfully,

24/02/16

(N.Alam)
Secretary

UNIVERSITY OF CALCUTTA

Notification No. CSR/ 10 /16

It is notified for information of all concerned that in terms of the provisions of Section 54 of the Calcutta University Act, 1979, (as amended), and, in exercise of his powers under 9(6) of the said Act, the Pro-Vice-Chancellor for Academic Affairs, acting as the Vice chancellor has, by an order dated 11.02.2016, approved the **New Revised syllabus of Hindi (Honours, General and MIL) at the Under Graduate level** under this University as has been duly recommended by the U.G. Board of Studies concerned attached to the Council for U.G. Studies in Arts, Science etc. as laid down in the accompanying pamphlet.

The above shall take effect from the academic session 2016-2017 and onwards.

SENATE HOUSE
KOLKATA-700073
The 16th February, 2016

16/02/16
(Dr. S.K.Barua)

Deputy Registrar

UNIVERSITY OF CALCUTTA

SYLLABUS

F

O

R

THREE YEAR

B.A.(HONOURS)

GENERAL

AND

M.I.L.

HINDI

2016

B.A. Part-I (Honours)

पहला प्रश्न-पत्र

प्राचीन और मध्यकालीन हिंदी काव्य

प्रथम खण्ड : 50 अंक

प्रस्तावित कविताओं की व्याख्या एवं समालोचना दोनो अपेक्षित है।

(i) **विद्यापति** : निम्नलिखित 10 पद :

सखि हे हमर दुखक नहिं ओर, मधुपुर मोहन गेल रे मोर बिहरत छाती, चानन भेल विषम सर रे भूषन भेल भारी; अनुखन माधव माधव सुमरइते सुंदरि भेलि मधाई, सरस बसंत समय भल पाओल दछिन पबन बहु धीरे, मोरा रे अँगनवाँ चनन केरि गछिआ ताहि चढि कुररए काग रे ; कत सुख सार आओल तुअ तीरे। छाड़इते निकट नयन बह नीरे॥ माधव, कत तोर करब बड़ाई। तातल सैकत बारि-बिंदु सम सुत मित – रमनि-समाजे; जतने जतेक धन पायें बटोरलुं मिलि-मिलि परिजन खाए।

(ii) **कबीर** : निम्नलिखित 6 पद और 20 साखी :

पद – संतौं भाई आई ग्यान की आँधी रे ; पानी बिच मीन पियासी, मन न रंगाये-रंगाये जोगी कपरा; अरे इन दोहुन राह न पाई; एक अचंभा देखा रे भाई, ठाढ़ा सिंह चरावे गाई; गगन घटा घहरानी, साधो गगन घटा घहरानी।

साखी – सतगुरु की महिमा अनंत; बिरहा बिरहा मति कहौ, अंखड़ियाँ झाईं परी; माला तो कर में फिरै; जाप मरै अजपा मरै; तूँ-तूँ करता तू भया; हम घर जारा आपना; कस्तूरी कुंडलि बसै; सुखिया सब संसार है; कबीर यहु घर प्रेम का; प्रेम न बारी ऊपजै; माली आवत देखि कै; जब मैं था तब हरि नहीं; हिंदू मुए राम कहि; कबीर हरदी पीयरी; जाति न पूछो साध की; पढ़ि-पढ़ि के पत्थर भये; कबीर कूता राम का; जाके मुँह-माथा नहीं; समंदर लागी आगि।

(iii) **सूरदास** : निम्नलिखित 12 पद –

अबिगत गति कछु कहत न आवै ; जौं लौं मन कामना न छूटै ; जसोदा हरि पालनैं झुलावैं ; किलकत कान्ह घुटुरुवनि आवत ; खेलत मैं काकौ गुसैंयाँ ; मैया हौं न चरैहों गाई ; बूझत स्याम कौन तू गोरी; बिनु गुपाल बैरनि भइ कुंजैं ; ऊधौ धनि तुम्हरौ व्यवहार; ए अलि! कहा जोग में नीको; आयो घोष बड़ो व्यापारी; उर में माखन चोर गड़े।

(iv) **तुलसीदास** : निम्नलिखित 8 पद :

ऐसी मूढ़ता या मन की ; जाऊँ कहाँ तजि चरन तुम्हारे ; अबलौं नसानी, अब न नसैहों ; माधव मों समान जग माहीं; ऐसो को उदार जग माहीं; रघुपति-भगति करत कठिनाई; कबहुँक हौं यह रहनि रहौंगो; जाके प्रिय न राम बैदेही।

रामचरित मानस : उत्तर काण्ड (कलि-वर्णन) दोहा संख्या – 97-103

अंक विभाजन – तीन व्याख्याएं 3x8 = 24

एक आलोचनात्मक प्रश्न 1x14 = 14

दो लघूत्तरी प्रश्न 2x6=12

द्वितीय खण्ड : 50 अंक

(i) **मीराबाई** : निम्नलिखित 10 पद

यहि विधि भगति कैसे होय ; तनक हरि चितवाँ म्हारी ओर ; माई साँवरे रंग राँची ; मैं तो गिरधर के घर जाऊँ; हेरी मैं तो दरद दिवाणी-मेरो दरद न जाने कोय; कोई कहियो रे प्रभु आवन की ; किण संग खेलूँ होली ; म्हारो जणम-जणम को साथी थाने दिन बिसरूँ दिन-राती; सांवलिया म्हारो छाय रहा परदेश ; पग घुँघरु बाँधि मीरा नाची रे।

(ii) **बिहारी** : निम्नलिखित 20 दोहे –

अजौं तरौना ही रह्यौ; अरुन-सरोरुह-कर-चरन; इन दुखिया अँखियान कौ; कर समेटि-कच भुज उलटि; करौ कुबत जग-कुटिलता ; या अनुरागी चित्त की ; जप माला, छापा तिलक; नहिं पराग नहिं मधुर मधु ; कहत नटत रीझत-खिझत ; बतरस लालच लाल की; अनियारे दीरघ दृगनि; तो पर वारौं उरवसी; जब-जब वै सुधि कीजियै; को छूट्यौ इहि जाल परि; चटक न छाड़त घटत हूँ; जो चाहै चटक न छटै; औंधाई सीसी सुलखि; दृग उरझत टूटत कुटुम; लिखन बैठि जाकी सबी; जिन दिन देखे वे कुसुम।

(iii) **घनानंद** : निम्नलिखित 10 पद –

झलकै अति सुन्दर आनन गौर ; छबि को सदन मोर मंडित बदन-चंद ; भए अति निठुर मिटाय पहचानि डारी ; हीन भएँ जल मीन अधीन ; मीत सुजान अनीत करौ जिन ; प्रीतम सुजान मेरे हित के निधान कहौ ; रावरे रूप की रीति अनूप; चातिक चुहल चहुँ ओर चाहै स्वाति ही कों ; ए रे वीर पौन, तेरी सबै ओर गौन ; अति सूधो सनेह को मारग है।

(iv) **भूषण** : निम्नलिखित 8 पद

पावक तुल्य अमीतन को भयो; चन्दन मैं नाग मद भरयो इन्द्र नाग; बासब से बिसरत बिक्रम की कहा चली ; ब्रह्म के आनन ते निकसेते ; यों सिर पै छहरावत छोर हैं ; इन्द्र निज हेरत फिरत गजइंद्र अरु ; बाने फहराने घहराने घंटा गजन के ; सबन के ऊपर ही ठाढ़ो रहिबे के जोग।

(v) **रस, अलंकार और छंद** :

(i) रस और उसके अवयवों का सामान्य परिचय; रसों के भेद; लक्षण और उदाहरण।

(ii) अलंकार की परिभाषा और निम्नलिखित अलंकारों का सोहाहरण परिचय - अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, वक्रोक्ति, भ्रांतिमान, संदेह, अतिशयोक्ति ; दृष्टांत, विरोधाभास।

(iii) छंद की परिभाषा और निम्नलिखित छंदों का लक्षणयुक्त उदाहरण – चौपाई, दोहा, सोरठा, रोला, गीतिका, हरिगीतिका, बरवै, छप्पय, सवैया, कवित्त, घनाक्षरी।

अंक विभाजन : तीन व्याख्याएं : 3x8 = 24

एक आलोचनात्मक प्रश्न : 1x14 = 14

दो लघूत्तरी प्रश्न : 2x6 = 12

प्रस्तावित पाठ्य-ग्रंथ –

विद्यापति पदावली - रामवृक्ष बेनीपुरी
कबीर ग्रंथावली - सं. श्यामसुंदर दास
सूर संचयिता - सं. मैनेजर पाण्डेय
विनय पत्रिका - गीताप्रेस, गोरखपुर
रामचरित मानस-उत्तर काण्ड - गीता प्रेस, गोरखपुर
मीराँबाई की सम्पूर्ण पदावली - (सं.) डॉ. रामकिशोर शर्मा
बिहारी प्रकाश - सं. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
घनानंद कवित्त - (सं.) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
शिवराज भूषण - भूषण
काव्य के तत्त्व - डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा

अनुमोदित ग्रंथ –

विद्यापति - डॉ. शिवप्रसाद सिंह

विद्यापति - डॉ. आनंद प्रसाद दीक्षित

मैथिल कोकिल विद्यापति - डॉ. कृष्णदेव झारी

हिंदी काव्य में निर्गुण संप्रदाय - पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल

भक्ति चिंतन की भूमिका – प्रेमशंकर

हिंदी की निर्गुण काव्यधारा और उसकी दार्शनिक पृष्ठभूमि – डॉ. गोविन्द त्रिगुणायत

कबीर – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

कबीर की विचारधारा – गोविन्द त्रिगुणायत

कबीर एक अध्ययन – रामरतन भटनागर

कबीर साहित्य का अध्ययन – परशुराम चतुर्वेदी

कबीर – सं. बासुदेव सिंह

भक्ति आंदोलन का अध्ययन – रतिभानु सिंह नाहर

तुलसी की साहित्य साधना – डॉ. लल्लन राय

तुलसी – डॉ. उदय भानु सिंह

तुलसीदास और उनके ग्रंथ – भगीरथ प्रसाद दीक्षित

गोस्वामी तुलसीदास – रामजी तिवारी

तुलसीदास छ आदुनिक संदर्भ में – सं. विष्णुकान्त शास्त्री, जगन्नाथ सेठ

भक्ति आंदोलन और सूदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय

महाकवि सूरदास – नंद दुलारे वाजपेयी

सूरदास – सं. हरवंश लाल शर्मा

सूरदास – ब्रजेश्वर वर्मा

मीरा का काव्य – डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी

मीरा की काव्य कला – देशराज सिंह भाटी

मीराबाई भक्ति और उनकी काव्य साधना का अनुशीलन – भगवानदास तिवारी

बिहारी की वाग्विभूति – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

बिहारी का नया मूल्यांकन – बच्चन सिंह

बिहारी सतसई का पुनर्पाठ- रामदेव शुक्ल

हिंदी काव्य में शृंगार परंपरा और महाकवि बिहारी – इन्द्रनाथ मदान

मुक्तक काव्य परंपरा और बिहारी – डॉ. रामसागर त्रिपाठी

घनानंद और स्वच्छन्द काव्य धारा – डॉ. मनोहरलाल गौड़

घनानंद का काव्य – रामदेव शुक्ल

भूषण – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

भूषण विमर्श – भगीरथ प्रसाद दीक्षित

महाकवि भूषण – भगीरथ प्रसाद दीक्षित

रीतिकाव्य की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र

छन्द शास्त्र – डॉ. रामशंकर शुक्ल रसाल

काव्यांग कौमुदी – आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

दूसरा प्रश्न-पत्र
नाटक, निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ
प्रथम खण्ड : 50 अंक
नाटक

(i) ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद

(ii) अंधायुग – धर्मवीर भारती

(iii) आधे अधूरे – मोहन राकेश

(iv) एकांकी एवं नुक्कड़ नाटक : (क) औरंगजेब की आखिरी रात – रामकुमार वर्मा, (ख) औरत – सफदर हाशमी

अंक विभाजन – तीन व्याख्याएँ : 3x8 = 24

एक आलोचनात्मक प्रश्न : 1x14 = 14

दो लघूत्तरी प्रश्न : 2x6 = 12

द्वितीय खण्ड – 50 अंक

निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ

(i) निबंध – करुणा – रामचंद्र शुक्ल, कुटज – हजारी प्रसाद द्विवेदी, मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र, कवि तेरा भोर आ गया – कुबेरनाथ राय, घर और बाहर-1 - महादेवी वर्मा ।

(ii) भाषण : भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है? – भारतेंदु हरिश्चन्द्र

(iii) रेखाचित्र : रजिया – रामवृक्ष बेनीपुरी

(iv) यात्रा वृत्तांत : किन्नर देश में – राहुल सांस्कृत्यायन।

(v) आत्मकथा : मुर्दहिया के गिद्ध तथा लोक जीवन-मुर्दहिया (तुलसीराम)

(vi) व्यंग्य : ठिठुरता हुआ गणतंत्र – हरिशंकर परसाई

अंक विभाजन : तीन व्याख्याएँ : 3x8 = 24

एक आलोचनात्मक : 1x14 = 14

दो लघूत्तरी प्रश्न : 2x6 = 12

प्रस्तावित पाठ्य ग्रंथ –

चिंतामणि भाग – 1 – रामचंद्र शुक्ल

कुटज – हजारी प्रसाद द्विवेदी

व्यक्ति व्यंजना – विद्यानिवास मिश्र

रस – आखेटक – कुबेर नाथ राय

शृंखला की कड़ियाँ- महादेवी वर्मा

भारतेंदु हरिश्चन्द्र : प्रतिनिधि संकलन – (सं.) कमला प्रसाद, (प्र.सं.) नामवर सिंह

किन्नर देश में – राहुल सांकृत्यायन

मुर्दहिया- तुलसी राम

प्रेमचंद के फटे जूते – हरिशंकर परसाई

अनुमोदित ग्रंथ –

हिंदी नाटक : उद्भव और विकास – दशरथ ओझा

रंग परंपरा – नेमिचंद्र जैन

आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच – नेमिचंद्र जैन

प्रसाद के नाटक स्वरूप और संरचना – गोविन्द चातक

समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच – जयदेव तनेजा

हिंदी नाटक : आज कल – जयदेव तनेजा

राष्ट्रीय नवजागरण और प्रसाद के नाटक – डॉ. इंदुमती सिंह

जयशंकर प्रसाद और ध्रुवस्वामिनी – फूलचंद जैन

ध्रुवस्वामिनी में कला संस्कृति और दर्शन-द्वारिका प्रसाद सक्सेना

धर्मवीर भारती और उनका अंधायुग – डॉ. लक्ष्मणदत्त गौतम

अंधायुग : निकष पर – संजीव कुमार

मोहन राकेश और उनके नाटक – गिरीश रस्तोगी

नाटककार डॉ. रामकुमार वर्मा- डॉ.मिथिलेश कुमारी मिश्रा

हिंदी एकांकी : उद्भव और विकास – डॉ. रामचरण महेंद्र

एकांकी और एकांकीकार – डॉ. रामचरण महेंद्र

हिंदी एकांकी – सत्येंद्र

एकांकी और एकांकी – डॉ. सुरेंद्र यादव

हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी

गद्य साहित्य का उद्भव और विकास – सं. डॉ. शम्भुनाथ पाण्डेय

हिंदी गद्य साहित्य – शिवदान सिंह चौहान

हिंदी गद्य साहित्य के विविध रूपों का उद्भव और विकास – डॉ. बलवन्त लक्ष्मण

साहित्य की विधाएँ – डॉ. रामलखन शुक्ल

गद्यकार प्रसाद – शंभुनाथ पाण्डेय

साहित्य विविध विधाएँ – शशि सहगल

प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – डॉ. हरिमोहन

जैनेन्द्र साहित्य और समीक्षा – रामरतन भटनागर

छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

हिंदी रेखाचित्र उद्भव और विकास – कृपाशंकर सिंह

हिंदी ललित निबंध-स्वरूप विवेचन – वेदवती राठी

कुबेरनाथराय और उनका साहित्य- अमिता सिंह
यात्रा साहित्य का उद्भव और विकास – डॉ. सुरेंद्र माथुर
राहुल सांकृत्यायन व्यक्ति और वांग्मय- सं. श्रीनिवास शर्मा
हिंदी आत्मकथा – डॉ. नारायण वि. शर्मा
आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास और विश्लेषण- विजयमोहन सिंह
बीसवीं सदी का हिन्दी साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

B.A. Part – II (Honours)

तीसरा प्रश्न-पत्र

हिंदी साहित्य का इतिहास

प्रथम खण्ड : 50 अंक

हिंदी साहित्य का इतिहास : आदि और मध्यकाल

(i) हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा और उसका महत्त्व।

(ii) हिंदी साहित्य का काल-विभाजन और नामकरण

(iii) आदिकाल की पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक) आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, रासो साहित्य, जैन साहित्य, लौकिक साहित्य का सामान्य परिचय और प्रमुख रचनाकार।

(iv) भक्ति काल की पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक) भक्तिकाल की प्रमुख काव्यधाराओं की प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ तथा प्रमुख रचनाकार

(v) रीतिकाल की पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक) रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ तथा विशेषताएँ; रीतिबद्ध, रीति सिद्ध, रीतिमुक्त तथा शृंगारेतर काव्य का सामान्य परिचय और प्रमुख रचनाकार

(vi) लोक साहित्य : सामान्य परिचय, विशेषताएँ तथा लोक साहित्य एवं शिष्ट साहित्य में अंतर।

अंक विभाजन : दो आलोचनात्मक प्रश्न 2x15 = 30 अंक

तीन लघूत्तरी प्रश्न 3x5 = 15 अंक

पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न 1x5 – 5 अंक

द्वितीय खण्ड – 50 अंक

हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल

(i) आधुनिक काल की पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक)

(ii) हिंदी नवजागरण, भारतेंदु युग की सामान्य प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ, भारतेंदु मण्डल का योगदान और प्रमुख रचनाकार।

(iii) द्विवेदी युग की सामान्य विशेषताएँ, महावीर प्रसाद द्विवेदी का योगदान और प्रमुख रचनाकार।

(iv) छायावाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ तथा प्रमुख रचनाकार

(v) प्रगतिवाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं प्रगतिशील आंदोलन तथा प्रमुख रचनाकार

(vi) प्रयोगवाद की सामान्य विशेषताएँ तथा प्रमुख साहित्यकार

(vii) नयी कविता, समकालीन कविता तथा जनवादी कविता की सामान्य विशेषताएँ और प्रमुख रचनाकार।

(viii) हिंदी गद्य का विकास : (नाटक, निबंध, कहानी एवं उपन्यास)

(क) स्वतंत्रता पूर्व हिंदी गद्य (गद्य विधाओं का विकासात्मक अध्ययन)

(ख) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य (गद्य विधाओं का विकासात्मक अध्ययन)

(ग) स्त्री विमर्श और दलित विमर्श

अंक विभाजन : दो आलोचनात्मक : 2x15 = 30 अंक

तीन लघूत्तरी प्रश्न : 3x5 = 15 अंक

पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 5x1 = 5 अंक

अनुमोदित ग्रंथ –

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का आलोचनातमक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा
5. हिंदी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. नगेन्द्र
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. हिंदी साहित्य का अतीत भाग -2 – आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
8. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय
9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
10. हिंदी का गद्य साहित्य – डॉ. रामचन्द्र तिवारी
11. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. राम सजन पाण्डेय
12. साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पाण्डेय
13. स्त्री संघर्ष का इतिहास – राधा कुमार
14. नारी का मुक्ति संघर्ष – डॉ. अमरनाथ
15. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र – ओमप्रकाश वाल्मीकि
16. लोक साहित्य की भूमिका – डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
17. लोक साहित्य विमर्श – डॉ. श्याम परमार
18. इतिहास में स्त्री- सुमन राजे
19. दलित साहित्य : समग्र परिदृश्य – मनोहर भंडारे

चौथा प्रश्न-पत्र
आधुनिक हिंदी कविता
प्रथम खण्ड : 50 अंक

प्रस्तावित कविताओं की व्याख्या एवं समालोचना दोनों अपेक्षित हैं।

(i) **मैथिलीशरण गुप्त** : यशोधरा (महाभिनिष्क्रमण)

(ii) **जयशंकर प्रसाद** : आँसू ("जो घनीभूत पीड़ा थी " से लेकर 'तुम सत्य रहे चिर सुन्दर " तक हिमाद्रि तुंग शृंग से ; अरुण यह मधुमय देश हमारा ; उठ-उठ री लघु-लघु लोल लहर ; मधुप गुनगुनाकर कह जाता; ले चल वहाँ भुलावा देकर; पेशोला की प्रतिध्वनि।

(iii) **सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला** : संध्या-सुंदरी; तुम और मैं; अधिवास; जागो फिर एक बार-2; गहन है यह अंधकारा; स्नेह निर्झर बह गया है; ध्वनि; वह तोड़ती पत्थर; मास्को डायलाग्स।

(iv) सुमित्रानंदन पंत : प्रथम रश्मि; बादल; मौन-निमंत्रण; ताज; भारत-माता; गा कोकिल बरसा पावक कण; मैं नहीं चाहता चिर सुख; संध्या।

(v) महादेवी वर्मा : धीरे-धीरे उतर क्षितिज से ; विरह का जलजात जीवन ; क्या पूजन क्या अर्चन रे ?; मैं नीर भरी दु:ख की बदली ; चिर सजग आँखे उनींदी ; पंथ रहने दो अपरिचित ; यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो।

(vi) सुभद्रा कुमारी चौहान : झाँसी की रानी; मेरा नया बचपन; विजया दशमी; कदंब का पेड़; मातृ मंदिर में; वीरों का कैसा हो बसंत।

अंक विभाजन : तीन व्याख्याएँ : 3x8 = 24

एक आलोचनात्मक प्रश्न : 1x14 = 14

दो लघूत्तरी प्रश्न : 2x6 = 12

द्वितीय खण्ड – 50 अंक

(i) रामधारी सिंह दिनकर : रश्मिरथी (तृतीय सर्ग)

(ii) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' : यह दीप अकेला; मैं वहाँ हूँ; कलगी बाजरे की; कतकी पूनो; एक बूँद सहसा उछली; हरी घास पर क्षण भर; कितनी नावों में कितनी बार।

(iii) नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है; प्रतिबद्ध हूँ; अकाल और उसके बाद; घिन तो नहीं आती; बहुत दिनों के बाद; शासन की बंदूक; कालिदास सच-सच बतलाना; तुम किशोर तुम तरुण; मनुष्य हूँ।

(iv) गजानन माधव मुक्तिबोध : अपने ही / जड़ीभूत ढांचों से लड़ेंगे; मैं तुम लोगों से दूर हूँ; शून्य।

(v) सुदामा पाण्डेय धूमिल : मोचीराम; भाषा की रात; रोटी और संसद, गाँव।

(vi) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना : प्रार्थना-1; काठ की घंटियाँ; भूख; इन्तजार; इस मृत नगर में; लीक पर वे चलें; आत्म-साक्षात्कार; व्यंग्य मत बोलो।

अंक विभाजन : तीन व्याख्याएँ : 3x8 = 24

एक आलोचनात्मक प्रश्न : 1x14 = 14

दो लघूत्तरी प्रश्न : 2x6 = 12

प्रस्तावित पाठ्य ग्रंथ –

1. यशोधरा : मैथिलीशरण गुप्त
2. लहर : जयशंकर प्रसाद
3. परिमल : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
4. नये पत्ते : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
5. राग-विराग : सं. रामविलास शर्मा
6. आधुनिक कवि पंत : हिंदी साहित्य सम्मेलन; इलाहाबाद
7. महादेवी प्रतिनिधि कविताएँ : राजपाल एण्ड सन्स
8. सुभद्रा कुमारी चौहान ग्रंथावली, खंड-1, सं रूपा गुप्ता
9. रश्मिरथी : रामधारी सिंह दिनकर
10. अज्ञेय प्रतिनिध कविताएँ : राजकमल प्रकाशन
11. नागार्जुन प्रतिनिधि कविताएँ : राजकमल प्रकाशन
12. संसद से सड़क तक : सुदामा पाण्डेय धूमिल
13. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना प्रतिनिधि कविताएँ : राजकमल प्रकाशन
14. गजानन माधव मुक्तिबोध- प्रतिनिधि कविताएं : राजकमल प्रकाशन
15. जयशंकर प्रसाद – प्रतिनिधि कविताएं : राजकमल प्रकाशन

अनुमोदित ग्रंथ –

1. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य – डॉ. कमलाकांत पाठक
2. यशोधरा का काव्य सौंदर्य- दुर्गाशंकर मिश्र
3. गुप्त जी की काव्यधारा : गिरिजा दत्त शुक्ल
4. कविवर प्रसाद, आँसू तथा अन्य कृतियाँ : विनय मोहन शर्मा
5. छायावाद : नामवर सिंह
6. प्रसाद का काव्य : डॉ. प्रेम शंकर
7. कवि प्रसाद एक अध्ययन : रामरतन भटनागर
8. पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त : रामधारी सिंह दिनकर
9. निराला की साहित्य साधना-भाग-2 : रामविलास शर्मा
10. नवजागरण और छायावाद : महेन्द्रनाथ राय
11. निराला काव्य की छवियाँ : नंद किशोर नवल
12. निराला काव्य के आयाम : डॉ. इन्द्रराज सिंह
13. निराला : आत्महंता आस्था : दूधनाथ सिंह
14. सुमित्रानंदन पंत : डॉ. नगेन्द्र
15. सुमित्रानंदन पंत : शांति जोशी
16. पंत : (सं.) इन्द्र नाथ मदान
17. पंत सहचर : अपूर्वानंद (संपादक)
18. महादेवी : (सं.) इन्द्रनाथ मदान
19. महादेवी : दूधनाथ सिंह
20. महादेवी : (सं.) परमानंद श्रीवास्तव
21. महादेवी के काव्य का नेपथ्य – विजयबहादुर सिंह
22. सुभद्रा कुमारी चौहान और राष्ट्रीय चेतना : डॉ. श्रीमती चम्पा सिंह, श्रीमती मालती सिंह
23. आधुनिक हिंदी कविता में परंपरा और प्रयोग : डॉ. गोपाल दत्त सारस्वत
24. युगचारण दिनकर : डॉ. सावित्री सिन्हा
25. राष्ट्रकवि दिनकर : (सं.) गोपाल राय
26. नयी कविता : स्वरूप और समस्या : डॉ. जगदीश गुप्त
27. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या : डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
28. नागार्जुन का रचना संसार : विजय बहादुर सिंह
29. नागार्जुन : (सं.) परमानंद श्रीवास्तव

30. नागार्जुन की काव्ययात्रा : रतन कुमार पाण्डेय
31. साठोत्तरी हिंदी कविता में जनवादी चेतना : नरेन्द्र सिंह
32. प्रयोगवाद और नयी कविता : डॉ. शंभुनाथ सिंह
33. सर्वेश्वर और उनकी कविता : कृष्णदत्त पालीवाल
34. सर्वेश्वर मुक्तिबोध और अज्ञेय : डॉ. कृपाशंकर पाण्डेय
35. अज्ञेय : सृजन और संघर्ष : रामकमल राय
36. मुक्तिबोध के प्रतीक और बिम्ब : चंचल चौहान
37. धूमिल और उसका काव्यसंघर्ष : ब्रह्मदेव मिश्र
38. धूमकेतु धूमिल और साठोत्तरी कविता : मीनाक्षी जोशी

B.A. Part-III (Honours)

पांचवां प्रश्न-पत्र

साहित्य-सिद्धांत, आधुनिक आलोचना तथा भारतीय साहित्य

प्रथम खण्ड : 50 अंक

साहित्य-सिद्धांत एवं आधुनिक आलोचना

(क) भारतीय साहित्य सिद्धांत

(i) काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन।

(ii) रस सिद्धांत – रस की अवधारणा, प्रमुख रसवादी आचार्य और उनकी अवधारणाएं, साधारणीकरण।

(iii) शब्द शक्तियाँ – अमिधा, लक्षणा, व्यंजना

(iv) अलंकार सिद्धांत – अलंकार की अवधारणा, प्रमुख अलंकारवादी आचार्य और उनकी अवधारणाएँ, अलंकार संप्रदाय

(ख) पाश्चात्य साहित्य-सिद्धांत –

(i) प्लेटो की काव्य संबंधी मान्यता

(ii) अरस्तू का अनुकरण एवं विरेचन सिद्धांत।

(iii) मार्क्सवादी समीक्षा पद्धति।

(ग) आधुनिक आलोचना

(i) हिंदी आलोचना स्वरूप एवं विकास

(ii) प्रमुख आलोचक – (क) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (ख) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(iii) टिप्पणी – यथार्थवाद, कलावाद, उत्तर आधुनिकतावाद, प्रतीक, बिम्ब, मिथक, संकेत, रूप और अन्तर्वस्तु का संबंध

अंक विभाजन – दो आलोचनात्मक प्रश्न : 2x16 = 32

तीन लघूत्तरी प्रश्न : 3x6 = 18

द्वितीय खण्ड : 50 अंक

भारतीय साहित्य

(i) कविताएँ –

1.**उर्दू** : मिर्जा गॉलिब की पांच गजलें- बस कि दुश्वार है हर काम का आसां होना; यह न थी हमारी किस्मत कि विसाले यार होता; आह को चाहिए इक उम्र असर होने तक; कोई उम्मीद बर नहीं आती; दिले नादाँ तुझे हुआ क्या है;।

2.**तमिल** : सुब्रह्मण्य भारती : स्वतंत्रता, नाचेंगे हम; तानाशाह जार का पतन।

3.**मराठी** : नारायण सुर्वे : अगर तुम्हें, वर्षा, हमारे शब्द, सावधान।

बिंदा करंदीकर : प्रेम करें हम ऐसे; लेकिन.... सपताल विद्रोही आत्माएँ

4. बांग्ला च रवीन्द्रनाथ टैगोर की 4 कविताएं – प्राण, दीदी, कृष्णकली, बैसाख

(ii) कहानियाँ –

उर्दू : लाइसेंस – सआदत हसन मण्टो,

बांग्ला : अभागी का स्वर्ग – शरतचन्द्र चट्टोपाध्याय, शाम सवेरे की माँ- महाश्वेता देवी

(iii) **उपन्यास** –

पंजाबी : पिंजर – अमृता प्रीतम

अंक विभाजन : तीन व्याख्याएँ 3x8 = 24

एक आलोचनात्मक प्रश्न 1x14 = 14

दो लघूत्तरी प्रश्न 2x6 = 12

प्रस्तावित पाठ्य ग्रंथ –

1. आधुनिक भारतीय कविता : (सं.) डॉ. अवधेश नारायण मिश्र, डॉ. नन्द किशोर पाण्डेय
2. दस्तावेज – भाग-2 – सआदत हसन मण्टो : राजकमल प्रकाशन
3. अभागी का स्वर्ग : शरत्चन्द्र
4. पिंजर : अमृता प्रीतम
5. रवीन्द्रनाथ की कविताएं : साहित्य अकादमी

अनुमोदित ग्रंथ –

1. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र
2. भरतीय काव्यशास्त्र – डॉ. भगीरथ मिश्र
3. भारतीय काव्यशास्त्र – सत्यदेव चौधरी
4. भारतीय काव्य तत्त्व विमर्श – राममूर्ति त्रिपाठी
5. भारतीय काव्य शास्त्र की नयी व्याख्या – राममूर्ति त्रिपाठी
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्र नाथ शर्मा
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. रामपूजन तिवारी
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास – डॉ. तारक नाथ बाली

9. हिंदी आलोचना : उद्भव एवं विकास – भगवद्स्वरूप मिश्र
10. हिंदी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी
11. हिंदी आलोचना शिखरों से साक्षात्कार – डॉ, रामचन्द्र तिवारी
12. रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना – डॉ, रामविलास शर्मा
13. रामचंद्र शुक्ल – सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
14. हजारी प्रसाद द्विवेदी – सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
15. मार्क्सवादी साहित्य सिद्धांत : इतिहास तथा चिंतन – शिवकुमार मिश्र
16. रामविलास शर्मा - शंभुनाथ
17. हिंदी आलोचना के बीजशब्द – बच्चन सिहं
18. आधुनिकता और उत्तर-आधुनिकतावाद – डॉ. जगदीश्वर चतुर्वेदी, चन्द्रा पाण्डेय
19. यथार्थवाद – शिवकुमार मिश्र
20. हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली – डॉ. अमरनाथ
21. भारतीय साहित्य कोश (चार खण्ड) – सं. सुरेश गौतम, वीणा गौतम
22. भारतीय साहित्य की अवधारणा – डॉ. राजेंद्र मिश्र
23. भारतीय साहित्य : तुलनात्मक अध्ययन – इन्द्रनाथ चौधरी
24. भारतीय साहित्य – डॉ. रामछबीला त्रिपाठी
25. भारतीय साहित्य – डॉ. मूलचंद गौतम
26. उर्दू भाषा और साहित्य – रघुपति सहाय फिराक
27. तमिल साहित्य और संस्कृति – अवध नंदन
28. बांग्ला साहित्य का इतिहास – सत्येन्द्र
29. पंजाबी साहित्य का इतिहास – सुरेंद्र सिंह कोहली
30. महाश्वेता देवी की श्रेष्ठ कहानियाँ- डॉ. महेश्वर

छठां प्रश्न-पत्र
भाषा विज्ञान, हिंदी भाषा तथा प्रयोजनमूलक हिंदी
प्रथम खण्ड : 50 अंक
भाषा विज्ञान

(i) भाषा : परिभाषा, विशेषताएँ, भाषा की परिवर्तनशीलता, भाषा और बोली।

(ii) भाषा विज्ञान : सामान्य परिचय, भाषा विज्ञान के अंग, विषय क्षेत्र, अध्ययन की पद्धतियाँ और भाषा की प्रयोजनीयता।

(iii) ध्वनि विज्ञान : परिभाषा, ध्वनि उच्चारण के अवयव, ध्वनि का वर्गीकरण तथा ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ।

(iv) रूप विज्ञान : शब्द और रूप (पद), पद विभाग, अर्थ तत्त्व तथा संबंध तत्त्व का प्रकार और संयोग।

(v) वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्त्व, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण।

(vi) अर्थ विज्ञान : शब्द और अर्थ, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।

प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक आर्यभाषाओं का सामान्य परिचय।

अंक विभाजन :

दो आलोचनात्मक प्रश्न 2x16 = 32

तीन लघूत्तरी प्रश्न 3x6 = 18

द्वितीय खण्ड – 50 अंक
हिंदी भाषा और प्रयोजनमूलक हिंदी

(i) हिंदी भाषा का विकास : हिंदी की उत्पत्ति, अपभ्रंश और पुरानी हिंदी का संबंध, हिंदी भाषा परिवार की विभिन्न बोलियाँ और खड़ी बोली हिंदी का विकास।

(ii) हिंदी के विभिन्न रूप : बोलचाल की भाषा, सृजनात्मक भाषा, बाजार की भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा।

(iii) मानक हिंदी, हिंदी का मानकीकरण, अशुद्धि शोधन।

(iv) राष्ट्रभाषाहिंदी की संवैधानिक स्थिति, राजभाषा अधिनियम 1963, राजभाषा नियम 1976 और राजभाषा संकल्प 1968।

(v) प्रयोजनमूलक हिंदी का अभिप्राय, प्रयुक्तियाँ और प्रयोगात्मक क्षेत्र।

(vi) प्रशासनिक पत्राचार : सरकारी पत्र, अर्द्धसरकारी पत्र, ज्ञापन, कार्यालय ज्ञापन, अनुस्मारक, निविदा, परिपत्र, अधिसूचना

(vii) टिप्पण, आलेखन (मसौदा)

(viii) हिंदी कम्प्यूटिंग

अंक विभाजन : दो आलोचनात्मक प्रश्न 2x16 = 32

तीन लघूत्तरी प्रश्न 3x6 = 18

अनुमोदित ग्रंथ-

1. भाषा विज्ञान प्रवेश एवं हिंदी भाषा – डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्र नाथ शर्मा
3. भाषा विज्ञान सैद्धांतिक चिंतन – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
4. हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ. भोलानाथ तिवारी
5. हिंदी भाषा – हरदेव बाहरी
6. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे
7. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग – दंगल झाल्टे
8. व्यावहारिक हिंदी पत्राचार – दंगल झाल्टे
9. मानक हिंदी का शुद्धिपरक व्याकरण – रमेशचंद्र मेहरोत्रा
10. मानक हिंदी स्वरूप और संरचना – डॉ. रामप्रकाश
11. परिष्कृत हिंदी व्याकरण – बदरीनाथ कपूर

सातवां प्रश्न-पत्र
हिंदी कहानी तथा उपन्यास
प्रथम खण्ड – 50 अंक
कहानियाँ

प्रस्तावित कहानियों एवं कहानीकारों का आलोचनात्मक अध्ययन अपेक्षित है।

कहानियाँ एवं कहानीकार –

सवासेर गेंहूँ - प्रेमचंद; आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद; पत्नी – जैनेन्द्र; खुदा की खुदा से लड़ाई – यशपाल; वापसी-ऊषा प्रियंवदा; परिंदे – निर्मल वर्मा ; सिक्का बदल गया – कृष्णा सोबती; तुम किसकी हो बिन्नी- मैत्रेयी पुष्पा; दोपहर का भोजन – अमरकांत ; टेपचू – उदय प्रकाश; सलाम – ओमप्रकाश-वाल्मीकि

निर्धारित पाठ्य ग्रंथ–

1. प्रतिनिध कहानियाँ – (प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद, जैनेन्द्र, निर्मल वर्मा, यशपाल, अमरकांत) – राजकमल प्रकाशन
2. दरियाई घोड़ा – उदय प्रकाश
3. सलाम – ओमप्रकाश वाल्मीकि
4. बादलों के घेरे में – कृष्णा सोबती
5. प्रतिनिधि कहानियाँ – यशपाल
6. ऊषा प्रियंवदा : संपूर्ण कहानियां
7. ललमुनिया तथा अन्य कहानियां- मैत्रेयी पुष्पा

अंक विभाजन : तीन व्याख्याएँ : 3x8 = 24, एक आलोचनात्मक प्रश्न : 1x14 = 14, दो लघूत्तरी प्रश्न : 2x6 = 12

द्वितीय खण्ड – 50 अंक

उपन्यास

प्रस्तावित उपन्यासों एवं उपन्यासकारों का आलोचनात्मक अध्ययन अपेक्षित है

उपन्यास एवं उपन्यासकार –

सेवासदन – प्रेमचंद

मैला आँचल – फणीश्वर नाथ रेणु

तमस- भीष्म साहनी

अंक विभाजन : तीन व्याख्याएँ 3x8 = 24

एक आलोचनात्मक प्रश्न 1x14 = 14

दो लघूत्तरी प्रश्न 2x6 = 12

अनुमोदित ग्रंथ –

1. हिंदी कहानी : उद्भव और विकास – डॉ. सुरेश सिन्हा
2. हिंदी कहानी : पहचान और परख – सं. इन्द्रनाथ मदान
3. कहानी : नयी कहानी – नामवर सिंह
4. कहानी शिल्प और संवेदना – राजेन्द्र यादव
5. नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी
6. हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश

7. जनवादी कहानी – रमेश उपाध्याय
8. दलित साहित्य : बुनियादी सरोकार – कृष्णदत्त पालीवाल
9. यशपाल – मधुरेश
10. निर्मल वर्मा – सं. अशोक बाजपेयी
11. हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास – डॉ. सुरेश सिनहा
12. हिंदी उपन्यास का इतिहास – डॉ. गोपाल राय
13. हिंदी उपन्यास एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र
14. हिंदी उपन्यास का विकास – मधुरेश
15. हिंदी उपन्यास : पहचान और परख – सं. इन्द्रनाथ मदान
16. प्रेमचन्द और उनका युग – रामविलास शर्मा
17. प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान –कमल किशोर गोयनका
18. प्रेमचंद – सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
19. मैला आँचल : मधुरेश
20. फणीश्वरनाथ रेणु और मैला आँचल – गोपाल राय

आठवां प्रश्न-पत्र

हिंदी पत्रकारिता, जनसंचार माध्यम और मीडिया लेखन

प्रथम खण्ड : 50 अंक

हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार माध्यम

(i) हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास
(ii) स्वतंत्रता पूर्व हिंदी पत्रकारिता : परिचय, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख पत्र-पत्रिकाएँ
(iii) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी पत्रकारिता : परिचय, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख पत्र-पत्रिकाएँ।
(iv) लघु पत्रिका आंदोलन
(v) जन संचार माध्यम : अभिप्राय, स्वरूप और प्रकार।
(vi) जन संचार माध्यमों का समाज एवं संस्कृति पर प्रभाव।
(vii) जनसंचार माध्यम की चुनौतियाँ और हिंदी।
(viii) हिंदी यूनीकोड और उसका महत्त्व।

अंक विभाजन : दो आलोचनात्मक प्रश्न 2x16 = 32

तीन लघूत्तरी प्रश्न 3x6 = 18

द्वितीय खण्ड : 50 अंक

(क)मीडिया लेखन

(i) समाचार : समाचार का अर्थ, समाचार के तत्त्व, समाचार मूल्य, समाचार के प्रकार, समाचार के स्रोत, समाचार-लेखन।

(ii) प्रिंट मीडिया के लिए लेखन : संपादकीय, फीचर, वार्ता, साक्षात्कार तथा खेल आदि के कार्यक्रमों के लिए लेखन।

(iii) समीक्षा लेखन : पुस्तक समीक्षा, नाट्य समीक्षा; फिल्म समीक्षा, टी.वी. धारावाहिक समीक्षा लेखन की प्रविधि।

(iv) विज्ञापन : विज्ञापन का अर्थ, उपयोगिता और प्रविधि, विज्ञापन लेखन।

(v) प्रूफ-संशोधन : प्रूफ संशोधन के संकेत और पद्धति, प्रूफ-संशोधन : व्यवहार।

अंक विभाजन : एक आलोचनात्मक प्रश्न 1x15 = 15

दो लघूत्तरी प्रश्न : 2x5 = 10

नोट: यह प्रश्न पत्र तीन घण्टे का होगा।

(ख) परियोजना

इस खण्ड में 25 अंक की प्रयोगात्मक परीक्षा होगी. इसके अंतर्गत विद्यार्थी स्थानीय दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी केन्द्र तथा समाचार पत्रों के कार्यालयों में समूह में जाएंगे तथा वहां व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करेंगे. प्रत्येक विद्यार्थी की उपस्थिति कम से कम पांच दिन की होगी तथा प्रत्येक दिन के लिए एक अंक निर्धारित होगा. प्रत्येक विद्यार्थी प्रशिक्षण के पश्चात एक प्रतिवेदन तैयार करेंगे तथा उसे मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत करेंगे. प्रश्न पत्र के मूल्यांकन के लिए एक आन्तरिक और एक बाह्य परीक्षक विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त किए जाएंगे.

इसके लिए अंकों का विभाजन इस प्रकार होगा-

प्रशिक्षण के लिए – 5 + 10 (उपस्थिति तथा प्रतिवेदन के लिए)

पावर प्वाइंट प्रजेन्टेशन – 10 अंक (किसी समसामयिक विषय पर)

अनुमोदित ग्रंथ –

1. सम्पूर्ण पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी
2. हिंदी पत्रकारिता – कृष्णबिहारी मिश्र

3. हिंदी पत्रकारिता का विकास – एन.सी. पंत
4. हिंदी पत्रकारिता और जन संचार – डॉ. ठाकुर दत्त 'आलोक'
5. मीडिया लेखन के सिद्धांत : एन.सी. पंत
6. समाचार, फीचर लेखन एवं संपादन कला : हरिमोहन
7. जन माध्यम सैद्धांतिकी : जगदीश्वर चतुर्वेदी
8. जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचाराधारा : जगदीश्वर चतुर्वेदी
9. हिंदी पत्रकारिता स्वरूप एवं संदर्भ : विनोद गोदरे
10. मीडिया समग्र (11 खण्ड) : जगदीश्वर चतुर्वेदी
11. समाचार संकलन और लेखन : नंद किशोर त्रिखा
12. लघु पत्रिकाएँ और साहित्यिक पत्रकारिता : धर्मेंद्र गुप्त

Hindi General

Part-I

पहला प्रश्नपत्र

खंड-1 : 50 अंक

मध्यकालीन हिंदी काव्य

1. **कवीर के दोहे** – सतगुरु की महिमा अनंत, कस्तूरी कुंडलि बसे, सुखिया सब संसार है, कबिरा यह घर प्रेम का, माला फेरत जुग भया, हेरत हेरत हे सखि, सुखिया सब संसार है, कबीर यहु घर प्रेम का, प्रेम न बारी ऊपजै, पानी केरा बुदबुदा, जब मैं था तब हरि नहिं, हिंदू मुए राम कहि, जात न पूछो साध की, पढ़ि-पढ़ि के पत्थर भए, साईं इतना दीजिए, कबिरा कूता राम का, चकई बिछुरी रैन की।
2. **सूरदास** – जसोदा हरि पालनैं झुलावें, किलकत कान्ह घुटरुवनि आवत, कान्ह चलत पग द्वै द्वै धरनी, खेलत में को काको गुसैयां, मैया बहुत बुरौ बलदाऊ, ऊधो धनि तुम्हारौ व्यवहार, उर में माखनचोर गड़े, ए अलि कहा जोग में नीको, निर्गुन कौन देस को बासी, अब अति चकितवंत मन मेरो।
3. **तुलसीदास** – ऐसी मूढ़ता या मन की, जाऊँ कहाँ तजि चरन तिहारे, अब लौं नसानी अब न नसैहों, ऐसो को उदार जग माहीं, मन पछितैहैं अवसर बीते। **दोहे** – राम नाम मनिदीप धरि, एक भरोसो एक बल, आवत ही हरषे नहीं, जड़ चेतन गुन दोषमय, तुलसी मीठे वचन ते, तुलसी साथी विपति के, मुखिया मुख सो चाहिए, राम नाम अवलंब बिनु, प्रीति राम सो जिति पथ, बिनु विस्वास भगति नहिं।
4. **मीराबाई** – तनक हरि चितवै हमरी ओर, मैं तो सांवरे के रंग रांची, हेरी मैं तो दरद दीवाणी, सखी मेरी नींद नसानी हो, कोई कहियो रे प्रभु आवन की, फागुन के दिन चार, चलो मन गंगा जमना तीर, पग घुंघरू बाँध मीरा नाची रे.
5. **बिहारी** – या अनुरागी चित्त की , जप माला छापा तिलक, समै समै सुंदर सबै, दिन दस आदर पाय के, गुनी गुनी सबके कहे, बतरस लालच लाल के, तो पर वारौं उरवसी, जब जब वै सुधि कीजिए, इन दुखिया आँखियान को, कहत सबै बेंदी दिए।

अंक विभाजन : 3 व्याख्याएँ x8 = 24

1 आलोचनात्मक x14 = 14

2 लघूत्तरी प्रश्न x6 = 12

खंड – 2 : 50 अंक

आधुनिक हिंदी काव्य

(i) **जयशंकर प्रसाद** – हिमाद्रि तुंग शृंग से, मधुप गुनगुनाकर कह जाता, ले चल मुझे भुलावा देकर, तुमुल कोलाहल कलह में, अरुण यह मधुमय देश हमारा, हिमालय के आंगन में उसे प्रथम,

(ii) **सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला** – वर दे वीणावादिनी, संध्या सुंदरी, वह तोड़ती पत्थर, जल्द जल्द पैर बढ़ाओ, ध्वनि, अभी न होगा मेरा अंत, जागो फिर एक बार, राजे ने रखवाली की, गहन है यह अंधकारा।

(iii) **महादेवी वर्मा** – धीरे-धीरे उतर क्षितिज से, सब बुझे दीपक जला लूं, मैं नीर भरी दुख की बदली, पंथ रहने दो अपरिचित, यह मंदिर का दीप, चिर सजग आँखें उनींदी, मधुर पिक हौले-हौले बोल

(iv) **सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय** –यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की, मैं वहाँ हूं, हरी घास पर क्षण भर, साँप।

(v) **नागार्जुन** – अकाल और उसके बाद, बहुत दिनों के बाद, घिन तो नहीं आती, कल्पना के पुत्र हे भगवान, प्रतिबद्ध हूँ, शासन की बंदूक

अंक विभाजन : 3 व्याख्याएँ x8 = 24

1 आलोचनात्मक प्रश्न x14 = 14

2 लघूत्तरी प्रश्न x6 = 12

सहायक ग्रंथ

1. कबीर –हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. मीरा का काव्य- विश्वनाथ त्रिपाठी
3. कबीर ग्रंथावली-श्यामसुन्दर दास
4. तुलसी- उदयभानु सिंह
5. सूरदास- (सं) हरवंश लाल शर्मा
6. विनय पत्रिका- सं. वियोगी हरि
7. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य-मैनेजर पाण्डेय
8. बिहारी प्रकाश- आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9. प्रसाद का काव्य - प्रेमशंकर
10. आधुनिक साहित्य की प्रवृतियां- नामवर सिंह
11. छायावाद- नामवर सिंह
12. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या- रामस्वरुप चतुर्वेदी

13. महादेवी- (सं) इन्द्रनाथ मदान
14. निराला की साहित्य साधना, भाग-2- रामविलास शर्मा
15. निराला : एक आत्महंता कवि- दूधनाथ सिंह
16. नागार्जुन- (सं.) परमानंद श्रीवास्तव
17. नागार्जुन का रचना संसार- विजयबहादुर सिंह

Part-2

दूसरा प्रश्न पत्र

खंड 1 : 50 अंक

नाटक और कथा साहित्य

(i) नाटक : अंधेर नगरी – भारतेंदु हरिशचंद्र

(ii) उपन्यास : निर्मला – प्रेमचंद

कहानियाँ

ईदगाह (प्रेमचंद) पुरस्कार – (जयशंकर प्रसाद), बदला (अज्ञेय), अकेली (मन्नू भंडारी), अमृतसर आ गया (भीष्म साहनी) बर्डे (स्वयंप्रकाश) टेपचू (उदय प्रकाश), ब्लैक होल (संजीव)

अंक विभाजन : 3 व्याख्याएँ x8 = 24, 1 अलोचनात्मक x 14 = 14, 2 लघूत्तरी x 6 = 12

निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

खंड – 2 : 50 अंक

(i) **निबंध** : उत्साह (रामचंद्र शुक्ल), आत्मनिर्भरता, (बालकृष्ण भट्ट), कुटज (हजारीप्रसाद द्विवेदी), मेरे राम का मुकुट भींग रहा है (विद्यानिवास मिश्र)

(ii) **यात्रा वृत्तांत** – किन्नर देश में (राहुल सांकृत्यायन)

(iii) **रेखाचित्र** – सोना (महादेवी वर्मा)

(iv) **व्यंग्य** : धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे – (हरिशंकर परसाई)

अंक विभाजन : 3 व्याख्याएं **x** 8 = 24, एक आलोचनात्मक प्रश्न x 14=14,

2 लघूत्तरी प्रश्न x 6=12

सहायक ग्रंथ

1. आज का नाटक: प्रगति और प्रभाव-दशरथ ओझा
2. समकालीन हिंदी नाटक की संघर्ष योजना- गिरीश रस्तोगी
3. समकालीन हिन्दी नाटककार- गिरीश रस्तोगी
4. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएं- रामविलास शर्मा
5. प्रेमचंद और उनका युग- रामविलास शर्मा
6. प्रेमचंद की विरासत- शिवकुमार मिश्र
7. कहानी: नई कहानी- नामवर सिंह
8. नई कहानी : स्वरूप और संवेदना- राजेन्द्र यादव
9. हिन्दी कहानी का विकास- मधुरेश
10. हिन्दी का गद्य साहित्य- रामचंद्र तिवारी
11. अपनी अपनी बीमारी- हरिशंकर परसाई

तीसरा प्रश्न पत्र

खंड-1 : 50 अंक

हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास

(i) हिंदी की उत्पत्ति, हिंदी भाषा परिवार की बोलियाँ, खड़ी बोली हिंदी का विकास

(ii) हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन और नामकरण

(iii) आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि परिचय : चंदबरदाई, अमीर खुसरो, विद्यापति, सरहपा, गोरखनाथ।

(iv) पूर्व मध्यकाल : संत काव्य, सूफी प्रेमाख्यानक काव्य, सगुण काव्य, कृष्ण भक्तिधारा, राम भक्तिधारा, प्रमुख कवि परिचय : तुलसी, सूर, जायसी, कबीर,मीरा।

(v) उत्तर मध्यकाल : रीतिकाव्य की प्रमुख धाराएँ और प्रवृत्तियाँ। प्रमुख कवि परिचय : केशव, देव, बिहारी, घनानंद, भूषण।

अंक विभाजन : 2 आलोचनात्मक प्रश्न x 15 = 30, 3 लघूत्तरी प्रश्न x 5 = 15, 5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न x1 = 5

खंड - 2 : 50 अंक

हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल

(i) आधुनिक काल का सामान्य परिचय

(ii) हिंदी गद्य का विकास, भारतेंदु हरिश्चंद का योगदान, भारतेन्दु मंडल : संक्षिप्त परिचय।

(iii) महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनके युग की विशेषताएँ प्रमुख साहित्यकारों का संक्षिप्त परिचय : बालमुकुंद गुप्त, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', मैथिलीशरण गुप्त

(iv) छायावाद की प्रमुख विशेषताएँ, प्रमुख साहित्यकारों का परिचय : प्रसाद, निराला, पंत और महादेवी वर्मा

(v) प्रगतिवाद की प्रमुख विशेषताएं

(vi) प्रयोगवाद और नई कविता की प्रमुख विशेषताएँ

(vii) नाटक, कहानी, उपन्यास का विकास

(viii) स्त्री विमर्श, दलित विमर्श (सामान्य परिचय)

अंक विभाजन : 2 आलोचनात्मक प्रश्न x 15 = 30, 3 लघूत्तरी प्रश्न x 5 = 15, 5 वस्तुनिष्ठ प्रश्नx1=5

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास-रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य :उदभव और विकास- हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास- बच्चन सिंह
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास- सं. नगेन्द्र
5. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ- नामवर सिंह
6. हिन्दी नवजागरण और संस्कृति-शंभुनाथ

Part – 3

चौथा प्रश्न पत्र

खंड -1 : 50 अंक

प्रयोजनमूलक हिंदी

(i) प्रयोजनमूलक हिंदी का अर्थ : उपयोगिता और प्रयोग के क्षेत्र

(ii) हिंदी के विभिन्न रूप, बोलचाल की भाषा, सृजनात्मक भाषा, बाजार की भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा

(iii) राष्ट्रभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति – राजभाषा अधिनियम 1963, राजभाषा संकल्प 1968, राजभाषा अधिनियम 1976 का सामान्य परिचय

(iv) प्रशासनिक पत्राचार, टिप्पण एवं आलेखन ।

(v) अनुवाद का महत्व, साहित्यिक अनुवाद और कार्यालयीन अनुवाद में अंतर, अनुवाद से जुड़ी प्रमुख समस्याएँ।

अंक विभाजन : 2 आलोचनात्मक प्रश्न x 16 = 32, 3 लघूत्तरी प्रश्न x 6 = 18

खंड – 2 : 50 अंक

मीडिया लेखन

(i) समाचार : समाचार का अर्थ, समाचार के तत्व, समाचार मूल्य, समाचार के प्रकार, समाचार लेखन

(ii) रिपोर्टिंग का अर्थ, संवाददाता या रिपोर्टर की योग्यता और दायित्व, रिपोर्टिंग लेखन।

(iii) फीचर लेखन: फीचर लेखन क्या है?, फीचर के प्रकार, फीचर और लेख में अन्तर।

(iv) विज्ञापन लेखन : विज्ञापन का अर्थ, उपयोगिता और प्रविधि। विज्ञापन लेखन।

(v) प्रूफ संशोधन : प्रूफ संशोधन कार्य का सामान्य परिचय, प्रूफ संशोधन के संकेत और पद्धति, प्रूफ संशोधन : व्यवहार।

(vi) मीडिया समीक्षा – पुस्तक समीक्षा, फिल्म समीक्षा, टी.वी.धारावाहिक समीक्षा।

(vii) साक्षात्कार

अंक विभाजन : 2 आलोचनात्मक प्रश्न x16= 32, 3 लघूतरी प्रश्न x6=18

सहायक ग्रंथ

1. पत्रकारिता : इतिहास और प्रश्न
2. प्रयोजन मूलक हिन्दी- विनोद गोदरे
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग- दंगल झाल्टे
4. राजभाषा हिन्दी- भोलानाथ तिवारी
5. समाचार फीचर लेखन एवं संपादन कला- हरिमोहन
6. समाचार एवं प्ररूप लेखन-दिनेश गुप्त
7. हिन्दी पत्रकारिता और जनसंचार- ठाकुरदत्त आलोक
8. हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका-जगदीश्वर चतुर्वेदी
9. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता-अर्जुन तिवारी

MIL

50 अंक

निबंध :

क्या निराश हुआ जाए – हजारी प्रसाद द्विवेदी, घीसा – महादेवी वर्मा, पर्यावरण संरक्षण – शुकदेव प्रसाद

कविताएँ

(i) पेशोला की प्रतिध्वनि – जयशंकर प्रसाद

(ii) पैतृक संपत्ति (जब बाप मरा…) – केदारनाथ अग्रवाल

(iii) उनको प्रणाम – नागार्जुन

(iv) हो गई है पीर पर्वत सी – दुष्यंत कुमार

(v) धार्मिक दंगों की राजनीति – शमशेर बहादुर सिंह

कहानियाँ

1. मंत्र – प्रेमचंद
2. भोलाराम का जीव – हरिशंकर परसाई
3. त्रिशंकु – मन्नू भंडारी

पारिभाषिक शब्दावली-100 शब्द

1.	Accountability	जवाबदेही
2.	Ad-hoc	तदर्थ
3.	Adjournment	स्थगन
4.	Adjustment	समायोजन
5.	Agenda	कार्यसूची
6.	Agreement	अनुबंध
7.	Allotment	आवंटन
8.	Allowance	भत्ता
9.	Allowance	अनुमोदन

10. Authority	प्राधिकरण
11. Autonomous	स्वायत्त
12. Bonafide	वास्तविक
13. Bye-law	उप-विधि
14. Charge	प्रभार
15. Circular	परिपत्र
16. Compension	क्षतिपूर्ति
17. Confirmation	पुष्टि
18. Consent	सहमति
19. Contract	संविदा
20. Discretion	विवेक
21. Enclosure	संलग्नक
22. Ex-Office	पदेन
23. Honorarium	मानदेय
24. Infrastructure	आधारभूत संरचना
25. Memorandum	ज्ञापन
26. Modus operandi	कार्य-प्रणाली
27. Notification	अधिसूचना
28. Officiating	स्थानापन्न
29. Postponement	स्थगन
30. Proceedings	कार्यवाही
31. Record	अभिलेख
32. Retirement	सेवानिवृत्ति
33. Stagnation	गतिरोध
34. Verification	सत्यापन
35. Account	लेखा/खाता
36. Accountant	लेखाकार

37. Adjustment	समायोजन
38. At-par	**सममूल्य पर**
39. Audio-Visual display	दृश्य-श्रव्य प्रदर्श
40. Audit	लेखा-परीक्षा
41. Audition	स्वर/ध्वनि परीक्षण
42. Auditorium	प्रेक्षागृह
43. Authentic	प्रामाणिक
44. Back dated	पूर्व-दिनांकित
45. Bail	जमानत
46. Bank-Guaranty	बैंक प्रत्याभूति
47. Bearer	वाहक
48. Cash Balance	रोकड़ बाकी
49. Clearing	समाशोधन
50. Commission	दलाली
51. Confiscation	अधिहरण
52. Convertible	परिवर्तनीय
53. Currency	मुद्रा
54. Current	चालू खाता
55. Divident	लाभांश
56. Documentation	प्रलेखन
57. Endorsement	बंदोबस्ती
58. Exchange	विनिमय
59. Finance	वित्त
60. Fixed Deposit	सावधि जमा
61. Forfeiture	जब्ती
62. Guaranty	प्रत्याभूति
63. Indemnity Bond	क्षतिपूर्ति बंध

64. Insolvency	दिवाला
65. Investment	निवेश
66. Lease	पट्टा
67. Long term credit	दीर्घावधि उधार
68. Lumpsum	एकमुश्त
69. Mobilisation	संग्रहण
70. Moratorium	भुगतान-स्थगन
71. Mortgage	गिरवी
72. Output	उत्पादन
73. Outstanding	बकाया
74. Payable	देय
75. Payment	भुगतान
76. Progressive-note	रुक्का/हुण्डी
77. Realization	वसूली
78. Recommendation	संस्तुति
79. Rectifiation	परिशोधन
80. Recurring	आवर्ती
81. Redeemable	प्रतिदेय
82. Renewal	नवीकरण
83. Revenue	राजस्व
84. Sensex	शेयर सूचकांक
85. Security	प्रतिभूति
86. Short-term credit	अल्पावधि उधार
87. Squeeze	अधिसंकुचन
88. Sur-charge	अधिभार
89. Suspense Account	उचंत लेखा
90. Trade Mark	मार्का

91.	Transaction	लेनदेन
92.	Transfer	अंतरण
93.	Turn over	पण्यावर्त
94.	Undervaluation	**अवमूल्यन**
95.	Validity	वैधता
96.	Vault	तहखाना
97.	Warranty	आश्वस्ति
98.	Withdrawal	आहरण
99.	Working Capital	कार्यशील पूंजी
100.	Winding up	समेटना

प्रतिवेदन / आवेदन पत्र लेखन

प्रमुख साहित्यकारों की तस्वीर और उनका संक्षिप्त परिचय

अंक विभाजन – पठित गद्यांश (निबंध) और उनपर प्रश्न- 15 अंक

अथवा

निबंध व कहानियों पर तीन प्रश्न- 5 **x** 3= 15 अंक

आवेदन / प्रतिवेदन पर -10 अंक

हिन्दी रूप पर – 1**x** 5= 5 अंक

कविताओं पर एक प्रश्न -10 अंक

कहानियों पर एक प्रश्न-10 अंक